मंथन समूह सफलता की कहानी...

---प्रेरणादायक किसानों की सफल गाथाएं---

तकनीकी मार्गदर्शन से कैलाश किरार ने मक्का की फसल से कम लागत में अधिक मुनाफा लिया

मध्य प्रदेश के गुना जिले के अन्तर्गत ब्लॉक बमोरी के 35 वर्षीय किसान धर्मेंद्र कुमार ग्राम सुजा खेड़ी के रहने वाले हैं। उनकी आय का साधन खेती है। तथा परिवार में 6 सदस्य हैं। पूरे परिवार की जिम्मेदारी इन्हीं के ऊपर है। इस बार धर्मेंद्र कुमार ने अपने खेत में मक्का की फसल लगाई है। जो पूर्व में पुरानी पद्धति से खेती करते आ रहे थे तथा खेती के लिए देशी बीजों का उपयोग करते थे। कीट तथा रोगों की जानकारी के अभाव के कारण लागत अधिक लगती थी तथा उत्पादन और मुनाफा कम होता था और धर्मेंद्र कुमार जी मुनाफा नहीं ले पा रहे थे। जिससे किसान घाटे में जा रहा था।

मंथन ग्रामीण एवं समाज सेवा समिति के दिशा निर्देशन व सहयोग तथा सलाह से गुना जिले में बायोटेक किसान हब प्रोजेक्ट सरकार के सहयोग से चलाया जा रहा है। जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक सहयोग प्रदान करते हैं उसी कड़ी में उनकी मुलाकात जिले के क्षेत्र अधिकारी भगवान सिंह किरार से हुई। उन्होंने नये तरीके से धर्मेंद्र कुमार से खेती में बदलाव करवाया।

मंथन ग्रामीण एवं समाज सेवा समिति के द्वारा उन्हें एक एकड़ के लिए बीज, खाद, दवाईयां उपलब्ध कराई गई जिसका सही विधि द्वारा उपयोग करवाया गया। जिसमें बीज उपचार, सीडड्रिल बुवाई, वैज्ञानिक सलाह एवं बायोटेक हब प्रोजेक्ट के तहत समय-समय पर सलाह दी गई। जिसमें खरपतवार नाशक दवाईयों का उपयोग करवाया गया। जिसमें किसान द्वारा पूर्व में अधिक बीज डालने पर भी फसल सही नहीं हो पाती थी। लेकिन इस बार कम बीज का उपयोग किया गया जिसमें फसल अच्छी निकली। पूर्व में एक एकड़ में 12 से 13 क्विंटल मक्का निकलता था। लेकिन किसान धर्मेंद्र कुमार जी की मेहनत कामयाब हुई। मंथन ग्रामीण समाज सेवा समिति द्वारा चलाए गए हब प्रोजेक्ट तथा नई तकनीक से एक एकड़ में 20 क्विंटल मक्का निकला।

कृषक धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि इस सफलता का मुख्य कारण मंथन के अधिकारियों द्वारा समय-समय पर खेत में आकर फसल के संबंध में पूर्ण जानकारी देना एवं वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर फसल से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराना है। कृषक धर्मेंद्र कुमार ने बताया मुझे अपनी इस सफलता पर खुशी है तथा इसका श्रेय मैं मंथन ग्रामीण समाज सेवा समिति तथा डी.बी.टी. द्वारा कृषकों के हित में लिए गए निर्णयों को बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ। धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि मंथन ग्रामीण समाज सेवा समिति तथा डी.बी.टी. द्वारा हमारे परिवार के सदस्यों के भरण-पोषण का स्वरोजगार दिया है। जिससे आज हमारे जैसे किसान सुखी जीवन-यापन कर अन्य लोगों को भी रोजगार दे रहे हैं और किसान भाई हजारों रूपए का मुनाफा कमा रहे हैं। धर्मेंद्र कुमार ने बायोटेक किसान हब प्रोजेक्ट के अधिकारी तथा अन्य सभी का धन्यवाद किया।

किसान धर्मेंद्र कुमार ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यदि इसी प्रकार से बायोटेक हब के माध्यम से कृषकों के साथ मिलकर ऐसे प्रोग्राम साझा किए जाते रहे तो सभी किसान भाई नई ऊंचाईयों को निश्चित रूप से छूने में सफल होंगे।

रोजगार

मंथन पॉलीटेक्निक कॉलेज

इंदौर-भोपाल हाईवे पुलिस चौकी के पास अमलाहा सीहोर, (म.प्र.)

(एआईसीटीई, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित)

पॉलिटेक्निक (डिप्लोमा इंजीनियरिंग)

इलेक्ट्रिकल (इंजी.) (E.E.)
सिविल (इंजी.) (C.E.)
मैकेनिकल (इंजी.) (M.E.)
कंप्यूटर साइंस (इंजी.) (C.S.E.)
इलेक्ट्रॉनिक एवं टेली कम्युनिकेशन (इंजी.) (E.C.E.)

-: विशेषताएं :-

- शत् प्रतिशत रोजगार के सुनहरे अवसर।
- सुव्यवस्थित वर्कशॉप तथा आधुनिक मशीनों पर कार्य करने का अवसर।
- उत्तम गुणवत्ता का प्रशिक्षण।
- छात्रों को भविष्य निर्धारित करने का मौका।
- न्यूनतम शुल्क पर छात्रावास की सुविधा।

न्यूनतम योग्यताः 10वीं/12वीं कक्षा उत्तीर्ण

छात्रवृत्ति

- अल्पसंख्यक/अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्रों हेतु भारत सरकार एवं राज्य सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं की सुविधा।
- अल्पसंख्यक वर्ग की छात्रवृत्ति के लिए 10वीं/12वीं में 50 प्रतिशत अंक आवश्यक।

प्रदेश की एकमात्र संस्था जो प्रशिक्षण के उपरांत 100% रोजगार प्रदान करती है

अपना उज्जवल भविष्य निर्धारण करने के लिए सम्पर्क करें: मंथन पॉलिटेक्निक कॉलेज-मो.623200930

मंथन के अधिकारियों द्वारा फसल के संबंध में पूर्ण जानकारी मिलने से किसान रवींद्र गणस्या ने लागत से बहुत अधिक कमाया

कपास विश्व और भारत की एक बहुत ही महत्वपूर्ण रेशे वाली और व्यापारिक फसल है। कपास की फसल को पानी की ज्यादा जरूरत नहीं होती कपास सब से ज्यादा उगाई जाने वाली खरीफ फसल है। कपास को रेशों का राजा और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। कपास को दुनिया की एक प्रमुख नकदी फसल के साथ-साथ दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण फाइबर उत्पादक फसल माना जाता है। यह अपने मूल्यवान उत्पादों, के द्वारा भारी विदेशी मुद्रा कमाता है। यह पशुओं को खिलाए जाने वाले प्रोटीन का एक प्रमुख स्रोत है। भारत में कपास का उत्पादन 122 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में किया जाता है।

मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के अन्तर्गत ब्लॉक निवाली ग्राम कानपुरी के रहने वाले प्रगतिशील किसान श्री रवींद्र गणस्या मुख्य रूप से अन्य फसलों दलहन कपास की खेती करते हैं। किसान रवींद्र गणस्या जी अपने बाप-दादाओं की पुरानी पद्धति से खेती करते आ रहे थे। उनकी परेशानी यह थी कि कीट तथा रोगों की जानकारी न होने से पूर्ण रूप से समय, श्रम, पानी खाद का प्रयोग करने के बाद भी अच्छी फसल का उत्पादन नहीं हो पा रहा था। तभी उनके किसान मित्र से मालुम हुआ कि मंथन समाज सेवा समिति से सम्पर्क करना चाहिए। बड़वानी जिले में बायोटेक किसान हब प्रोजेक्ट सरकार के सहयोग से चलाया जा रहा है। जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक सहयोग प्रदान करते हैं। प्राप्त जानकारी से प्रेरित होकर उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र के अधिकारी व मंथन समाज सेवा समिति के क्षेत्राधिकारी भुलीराम जी से मुलाकात कर सहायता का अनुरोध किया। समिति द्वारा उन्हें कपास के उच्च गुणवत्ता वाले बीज, खेत तैयार करने, मशीनीकृत बुवाई करने व सही मात्रा में खाद, दवाईयां तथा बीजोपचार कर बुवाई करने और खरपतवार नाशक दवाईयों का उपयोग करवाया गया। बायोटेक हब प्रोजेक्ट के तहत समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह दी गई। जिसका सही विधि द्वारा उपयोग करवाया गया।

रवींद्र गणस्या जी ने फसल का प्रबंधन बहुत अच्छा किया। इस बार तकनीकी रूप से कपास की खेती की। रवींद्र गणस्या जी की मेहनत सफल हुई। नई तकनीक का उपयोग करके किसान ने लागत से अधिक कपास का भरपूर उत्पादन लिया। संस्था द्वारा बड़वानी जिले के अन्य किसानों को भी खेत में लगातार सुधार व कम लागत में अधिक मुनाफा की खेती करवाई गई। किसान द्वारा भी ग्राम के अन्य किसानों को भी तकनीकी रूप से कपास तथा अन्य फसलों की खेती करने के लिए प्रोत्साहित करवाया।

कृषक रवींद्र गणस्या जी ने मंथन ग्रामीण एवं समाज सेवा समिति का आभार व्यक्त किया। कृषक रवींद्र गणस्या जी ने बताया कि इस सफलता का मुख्य कारण मंथन के अधिकारियों द्वारा समय-समय पर खेत में आकर फसल के संबंध में पूर्ण जानकारी देना एवं वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर फसल से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराना है। मुझे अपनी इस सफलता पर खुशी है तथा इसका श्रेय मैं मंथन ग्रामीण समाज सेवा समिति तथा डी.बी.टी. द्वारा कृषकों के हित में लिए गए निर्णयों को बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ। रवींद्र गणस्या जी ने बायोटेक किसान हब प्रोजेक्ट के अधिकारी तथा अन्य सभी का धन्यवाद किया। किसान ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यदि इसी प्रकार से बायोटेक हब के माध्यम से कृषकों के साथ मिलकर ऐसे प्रोग्राम साझा किए जाते रहे तो सभी किसान भाई नई ऊंचाईयों को निश्चित रूप से छूने में सफल होंगे।